

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 10

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 2

छोटा जादूगर

(जयशंकर प्रसाद (1889-1937))

भाग – 2

पल्लवी कलिता

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

बोध एवं विचार —

1. सही विकल्प का चयन करो —

(क) बाबू जयशंकर प्रसाद का जन्म हुआ था —

(अ) काशी में

(आ) इलाहाबाद में

(इ) पटना में

(ई) जयपुर में

(ख) जयशंकर प्रसाद जी का साहित्यिक जीवन किस नाम से आरंभहुआ था ?

(अ) 'विद्याधर' नाम से

(आ) 'कलाधर' नाम से

(इ) 'ज्ञानधर' नाम से

(ई) 'करुणाधर' नाम से

(ग) प्रसाद जी का देहावसान हुआ —

(अ) 1935 ई. में

(आ) 1936 ई. में

(इ) 1937 ई. में

(ई) 1938 ई. में

(घ) कार्निवाल के मैदान में लड़का चुपचाप किनको देख रहा था ?

(अ) चाय पीने वालों को

(आ) मिठाई खाने वालों को

(इ) गाने वालों को

(ई) शरबत पीने वालों को

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) लड़के को जादूगर का कौन-सा खेल अच्छा मालूम हुआ ?

(अ) खिलौने पर निशाना लगाना

(आ) चूड़ी फेंकना

(इ) तीर से नम्बर छेदना

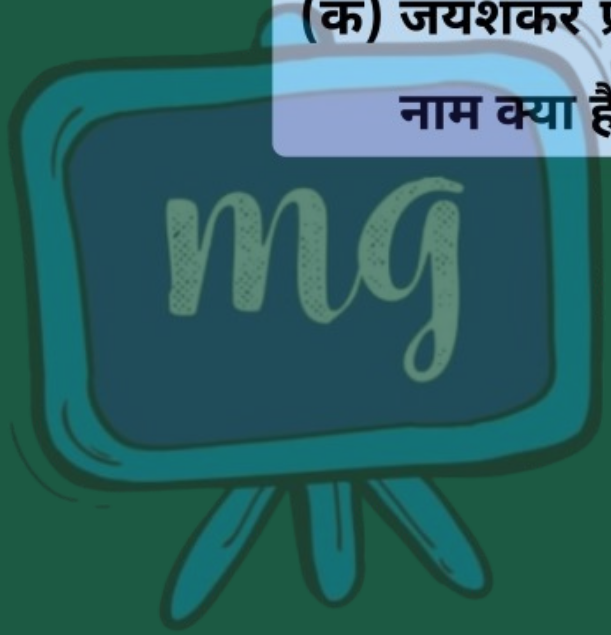
(ई) ताश का खेल दिखाना

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो —

(क) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रथम कहानी का नाम क्या है ?



2. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो —

(क) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रथम कहानी का नाम क्या है ?

उत्तर : जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रथम कहानी का नाम 'ग्राम' है।

(ख) प्रसाद जी द्वारा विरचित महाकाव्य का नाम बताओ।



(ख) प्रसाद जी द्वारा विरचित महाकाव्य का नाम बताओ।

उत्तर : प्रसाद जी द्वारा विरचित महाकाव्य है कामायनी ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) लड़का जादूगर को क्या समझता था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) लड़का जादूगर को क्या समझता था?

उत्तर : लड़का जादूगर को बिल्कुल निकम्मा समझता था ।



(घ) लड़का तमाशा देखने परदे में क्यों नहीं गया था?



(घ) लड़का तमाशा देखने परदे में क्यों नहीं गया था?



उत्तर : क्योंकि परदे में जाने में टिकट लगता था।

(ङ) श्रीमान ने कितने टिकट खरीद कर लड़के को दिए थे?



(ङ) श्रीमान ने कितने टिकट खरीद कर लड़के को दिए थे?



उत्तर : श्रीमान ने बारह टिकट खरीद कर लड़के को दे दिया।

(च) लड़के ने हिंडोले से अपना परिचय किस प्रकार दिया था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) लड़के ने हिंडोले से अपना परिचय किस प्रकार दिया था?



उत्तर : लड़के ने हिंडोले से अपना परिचय "मैं हूँ छोटा जादूगर कहकर दिया था।

(छ) बालक (छोटे जादूगर) को किसने बहुत ही शीघ्र चतुर बना दिया था?



(छ) बालक (छोटे जादूगर) को किसने बहुत ही शीघ्र चतुर बना दिया था?

उत्तर : बालक को आवश्यकता ने शीघ्र ही चतुर बना दिया था।



(ज) श्रीमान कलकत्ते में किस अवसर पर की छुट्टी बिता रहे थे?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ज) श्रीमान कलकत्ते में किस अवसर पर की छुट्टी बिता रहे थे?



उत्तर : श्रीमान जी ने कलकत्ते में बड़े दिन की छुट्टी बिता रहे थे।

(झ) सड़क के किनारे कपड़े पर सजे रंगमंच पर खेल दिखाते समय छोटे जादूगर की वाणी में स्वभावसुलभ प्रसन्नता की तरी क्यों नहीं थी ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(झ) सड़क के किनारे कपड़े पर सजे रंगमंच पर खेल दिखाते समय छोटे जादूगर की वाणी में स्वभावसुलभ प्रसन्नता की तरी क्यों नहीं थी ?

उत्तर : क्योंकि उस दिन उसकी माँ ने उसे जल्दी घर लौटने को कहा था, क्योंकि उसकी माँ की अंतिम घड़ी समीप थी।

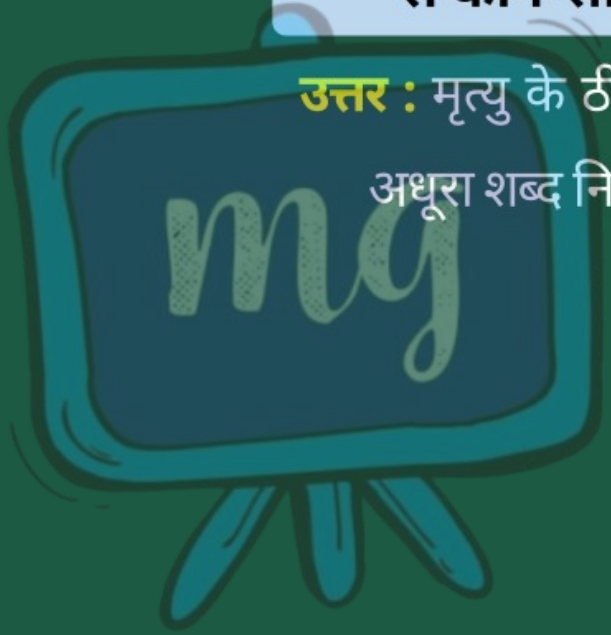
(ञ) मृत्यु से ठीक पहले छोटे जादूगर की माँ के मुँह से कौन-सा अधूरा शब्द निकला था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ञ) मृत्यु से ठीक पहले छोटे जादूगर की माँ के मुँह से कौन-सा अधूरा शब्द निकला था?



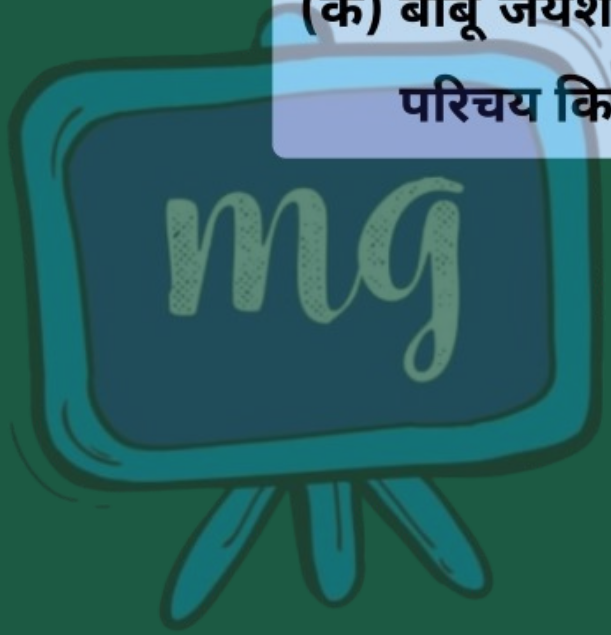
उत्तर : मृत्यु के ठीक आगे उसके माँ के मुँह से बे... जैसा अधूरा शब्द निकला था।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में) —

(क) बाबू जयशंकर प्रसाद की बहुमुखी प्रतिभा का परिचय किन क्षेत्रों में मिलता है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में) —

(क) बाबू जयशंकर प्रसाद की बहुमुखी प्रतिभा का परिचय किन क्षेत्रों में मिलता है?

उत्तर : बाबू जयशंकर प्रसाद आधुनिक हिन्दी साहित्य के लिए एक महत्वपूर्ण व्यक्ति है। जिन्होंने 1918 से 1938 तक हिन्दी साहित्य को अपने बहुमुखी प्रतिभा के द्वारा स्वर्वोच्च स्थान तक पहुँचा दिया। कविता, नाटक, कहानी, उपन्यास, निबंध और आलोचना आदि अमर लेखनी के द्वारा उनकी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय मिलता है।

(ख) श्रीमान ने छोटे जादूगर को पहली भेंट के दौरान किस रूप में देखा था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) श्रीमान ने छोटे जादूगर को पहली भेंट के दौरान किस रूप में देखा था?

उत्तर : श्रीमान ने छोटे जादूगर को पहली भेंट के दौरान छोटे फुहारे के पास खड़ा देखा, जहाँ वह चुपचाप शरबत पीने वालों को देख रहा था। उसके गले में फटे कुरते के ऊपर एक मोटी-सी सूत की रस्सी पड़ी थी और जेब में कुछ ताश के पत्ते थे। उसके मुँह पर गम्भीर विषाद के साथ धैर्य की रेखा थी।

(ग) “वहाँ जाकर क्या कीजिएगा?" छोटे जादूगर ने ऐसा कब कहा था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) "वहाँ जाकर क्या कीजिएगा?" छोटे जादूगर ने ऐसा कब कहा था?

उत्तर : जब श्रीमान ने लड़के को परदे तक चलने को कहा तब वह अचरज से बोला कि वहाँ जाकर क्या कीजिएगा।

(घ) निशानेबाज के रूप में छोटे जादूगर की कार्य-कुशलता का वर्णन करो।



(घ) निशानेबाज के रूप में छोटे जादूगर की कार्य-कुशलता का वर्णन करो।

उत्तर : निशानेबाज के रूप में छोटा जादूगर बहुत कार्यकुशल था । उसका कोई गेंद खाली नहीं गया। उसने बारह खिलौने बटोर लिए । इस प्रकार दिखा जाता है कि वह पक्का निशानेबाज था ।

(ङ) कलकत्ते के बोटानिकल उद्यान में श्रीमान-श्रीमती को छोटा जादूगर किस रूप में मिला था ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) कलकत्ते के बोटानिकल उद्यान में श्रीमान-श्रीमती को छोटा जादूगर किस रूप में मिला था ?

उत्तर : कलकत्ते के बोटानिकल उद्यान में छोटा जादूगर हाथ में चारखाने की खादी का झोला लिए साफ जांघिया और आँधी बाहों का कुर्ता पहने मस्तानी चाल से झूमता हुआ मिला ।

(च) कलकत्ते के बोटानिकल उद्यान में श्रीमान ने जब छोटे जादूगर को 'लड़के !' कहकर संबोधित किया, तो उत्तर में उसने क्या कहा ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) कलकत्ते के बोटानिकल उद्यान में श्रीमान ने जब छोटे जादूगर को 'लड़के !' कहकर संबोधित किया, तो उत्तर में उसने क्या कहा ?

उत्तर : कलकत्ते के बोटानिकल उद्यान में जब श्रीमान जीने छोटा जादूगर को लड़के कहा था तब उसने उत्तर दिया था कि- "छोटा जादूगर कहिए। यही मेरा नाम है। इसीसे मेरी जिविका है।

(छ) “आज तुम्हारा खेल जमा क्यों नहीं?"- इस प्रश्न के उत्तर में छोटे जादूगर ने क्या कहा ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) "आज तुम्हारा खेल जमा क्यों नहीं?"- इस प्रश्न के उत्तर में छोटे जादूगर ने क्या कहा ?

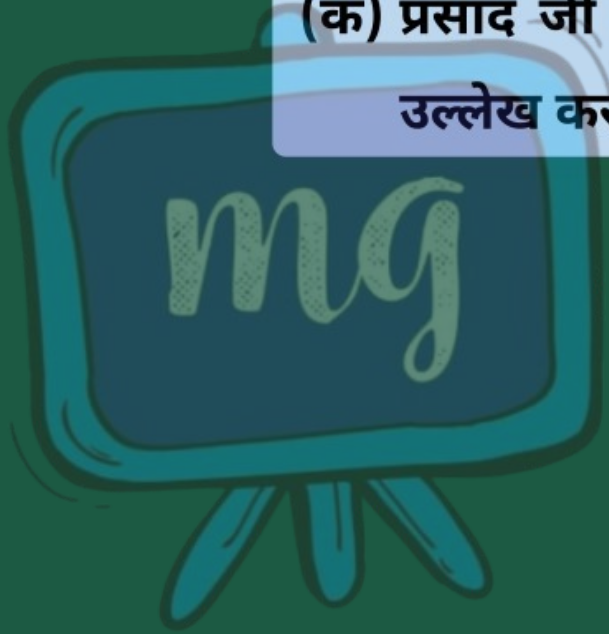
उत्तर : श्रीमान जी ने जब पूछा कि आज तुम्हारा खेल जमा क्यों नहीं। छोटे जादूगर ने इस प्रश्न के उत्तर में कहा कि उसकी माँ ने आज उसे तुरंत चले आने को कहा हैं ; क्योंकि उसकी घड़ी का समीप थी ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में) —

(क) प्रसाद जी की कहानियों की विशेषताओं का उल्लेख करो ।



4. संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में) —

(क) प्रसाद जी की कहानियों की विशेषताओं का उल्लेख करो ।

उत्तर : जयशंकर प्रसाद जी आधुनिक हिन्दी साहित्य के छायावाद युग के प्रतिनिधि कवि थे । उन्होंने लगभग सत्तर कहानियाँ हिंदी साहित्य को भेंट की हैं। प्रसाद जी कहानीकार के रूप में भाववादी धारा के प्रवर्तक कहलाएँ। उनकी अधिकांश कहानियों में चारित्रिक उदारता, प्रेम, करुणा, त्याग बलिदान, अतीत के प्रति मोह से युक्त भावमूलक आदर्श की अभिव्यक्ति हुई है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उन्होंने अपने समकालीन समाज की आर्थिक विपन्नता, निरीहता, अन्याय और शोषण को भी कुछेक कहानियों में चित्रित किया है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) "क्यों जी, तुमने इसमें क्या देखा? इस प्रश्न का उत्तर छोटे जादूगर ने किस प्रकार दिया था ?

उत्तर : 'क्यों जी, तुमने इसमें क्या देखा' इस प्रश्न का उत्तर देते हुए छोटे जादूगर ने कहा कि उसने सब देखा। यहाँ चूड़ी फेंकते है। खिलौने पर निशाना लगाते है। तीर से नम्बर छेदते है। उसे तो खिलौने पर निशाना लगाना अच्छा मालूम हुआ। जादूगर तो बिल्कुल निकम्मा है। उससे अच्छा तो ताश का खेल वह खुद दिखा सकता हैं ।

(ग) अपने माँ-बाप से संबंधित प्रश्नों के उत्तर में छोटे जादूगर ने क्या क्या कहा था?



(ग) अपने माँ-बाप से संबंधित प्रश्नों के उत्तर में छोटे जादूगर ने क्या क्या कहा था?

उत्तर : अपने माँ-बाप से संबंधित प्रश्नों के उत्तर में छोटे जादूगर ने कहा कि उसके बाबुजी देश के लिए जेल में है और इस बात को वह बड़े गर्व से बोला। उसकी माँ बीमार है। उसने यह भी कहा कि माँजी के बीमारी के कारण वह जेल में नहीं गया। क्योंकि कुछ लोगों को तमाशा दिखाकर उसे माँ के लिए दवादारु का प्रबंध करना है।

(घ) श्रीमान ने तेरह-चौदह वर्ष के छोटे जादूगर को किसलिए आश्चर्य से देखा था ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) श्रीमान ने तेरह-चौदह वर्ष के छोटे जादूगर को किसलिए आश्चर्य से देखा था ?

उत्तर : श्रीमान ने छोटे जादूगर से पूछा कि अपनी बीमार माँ को छोड़कर वह तमाशा देखने क्यों आया है। इस प्रश्न के उत्तर में छोटे जादूगर ने कहा कि वह तमाशा देखने नहीं, बल्कि दिखाने आया है। खेल दिखाकर जो पैसा मिलेगा, उससे माँ को पथ्य देगा। अगर श्रीमान उसे शरबत न पिलाकर, उसका खेल देखकर कुछ पैसे दे देते, तो वह अधिक प्रसन्न होता। यह बात सुनकर श्रीमान ने छोटे जादूगर को आश्चर्य से देखा; क्योंकि एक तेरह - चौदह वर्ष के बच्चे के मुँह से यह बहुत बड़ी बात निकली थी।

(ङ) श्रीमती के आग्रह पर छोटे जादूगर ने किस प्रकार अपना खेल दिखाया ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) श्रीमती के आग्रह पर छोटे जादूगर ने किस प्रकार अपना खेल दिखाया ?

उत्तर : श्रीमती के आग्रह पर छोटा जादूगर कार्निवल के मैदान में मिले सब खिलौने लेकर श्रीमती तथा अन्य लोगों को खेल दिखाने लगा। उन खिलौनों में से भालू नाचने लगा, बिल्ली रुठने लगी, बंदर घुड़कने लगा, गुद्दा -गुड़िया का ब्याह हुआ, ताश के सब पत्ते लाल हो गए और फिर काले हो गए। गले की सुत की डोरी टुकड़े-टुकड़े होकर फिर जुड़ गई। वह अपनी वाचालता से इस तरह अभिनय कर रहा था कि सब हँसते-हँसते लोट-पोट हो गए।

(च) हवड़ा की ओर आते समय छोटे जादूगर और उसकी माँ के साथ श्रीमान की भेंट किस प्रकार हुई थी ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) हवड़ा की ओर आते समय छोटे जादूगर और उसकी माँ के साथ श्रीमान की भेंट किस प्रकार हुई थी ?

उत्तर : हवड़ा की ओर आते समय छोटे जादूगर को श्रीमान ने एक झोंपड़ी के पास कम्बल कांधे पर डाले खड़ा मिला। उन्होंने पूछा कि छोटा जादूगर यहा क्या कर रहा है ? तब छोटे जादूगर ने कहा कि उसकी मा इसी झोंपड़ी में है, अस्पाताल वालों ने उन्हें निकाल दिया है। श्रीमान ने झोंपड़ी मे देखा कि एक स्त्री चिथोड़ों से लदी हुई काँप रही थी। लड़का माँ के ऊपर कम्बल डालकर चिपटते हुए कहा- "माँ।"

(छ) सड़क के किनारे कपड़े पर सजे रंगमंच पर छोटा जादूगर किस मनःस्थिति में और किस प्रकार खेल दिखा रहा था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) सड़क के किनारे कपड़े पर सजे रंगमंच पर छोटा जादूगर किस मनःस्थिति में और किस प्रकार खेल दिखा रहा था?

उत्तर : सड़क के किनारे सजे रंगमंच पर छोटा जादूगर उसदिन बड़ी दुखी मानसिक अवस्था में खेल दिखाने की कोशिश कर रहा था। उसदिन वह प्रसन्न न था । जब दूसरों को हँसाने की चेष्टा कर रहा था, उस समय वह कँप रहा था। खेल खतम होने पर जितनी जल्दी हो सके उतनी ही जल्दी वह घर लौटने की तैयारी कर रहे थे। क्योंकि माँ ने उसदिन घर जल्दी लौटने को कहा था, उसकी घड़ी समीप थी। यह कथन लड़के के कानों में गुंज रहा था। इसलिए वह बहुत ही कठिन मानसिक अवस्था में खेल दिखा रहा था।

(ज) छोटे जादूगर और उसीक माँ के साथ श्रीमान की अंतिम भेंट का अपने शब्दों में वर्णन करो।



(ज) छोटे जादूगर और उसीक माँ के साथ श्रीमान की अंतिम भेंट का अपने शब्दों में वर्णन करो।

उत्तर : श्रीमान के मन में चलते-चलते बोटानिकल उद्यान को देखने की इच्छा हुई। साथ ही यह भी इच्छा थी कि कहीं जादूगर दिखाई पड़े तो अच्छा था। श्रीमान धीरे-धीरे गाड़ी लेकर चल पड़े । उसी समय उन्हें छोटा जादूगर रास्ते के किनारे दिखाई पड़ा । वह एक कपड़े पर रंगमंच सजाकर खेल दिखा रहा था । वह उस दिन खुश नहीं दिखाई पड़ा। जब खेल अंत हुआ, तब उसने भीड़ में श्रीमान को देख लिया। श्रीमान ने उसे पूछा- 'आज तुमहारा खेल जमा क्यों नहीं?' लड़का ने कहा- माँ ने आज तुरंत चले आने को कहा, उसकी घड़ी समीप है ।

श्रीमान जी समझ गए और अपने गाड़ी में लड़के को बिठाकर झोपड़ी के पास पहुँचे। लड़का अंदर चला गया। माँ कहने पर उसके माँ की दुर्बल हाथ उठकर “बे....." कहकर गिर गए। लड़का रो रहा था। श्रीमान पीछे खड़ा रहा।

